❍ Year : 2 ❍ Issue : 7 ❍ March 2018 ❍ ISSN : 2456-0898

GLOBAL THOUGHT

ग्लोबल थॉट

(MULTI DISCIPLINE MULTI LANGUAGE RESEARCH JOURNAL)

(An International Refereed Quarterly Research Journal)

(A Scholarly Peer Reviewed Journal)

Special Note :

Anti national thoughts are not acceptable.

Patron :

Prof. M.M. Agrawal

(Former Dean, Arts Faculty & H.O.D. Sanskrit, University of Delhi, Delhi)

Prof. D.S. Chauhan

(Former H.O.D. Sanskrit, Magadh University, Bodhgaya, Bihar)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक रूपेश कुमार चौहान द्वारा 47, ए-3 ब्लॉक, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, (नजदीक संकट मोचन मंदिर), पी.एस. नजफगढ़, दिल्ली से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4 ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली में मुद्रित।

सम्पादक-रूपेश कुमार चौहान

Ph. 09555222747, 9267944100, 9555666907

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 5000 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'ग्लोबल थॉट'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की सहमति होना आवश्यक नहीं है। अत: लेख के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* अपेक्षित आर्थिक सहयोग अथवा अंशदान के लिए हम आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**
* **पत्रिका का वितरण नि:शुल्क किया जाता है एवं विशेष अनुदान के लिए किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रकाशन के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क नहीं है।**
* **प्रत्येक लेख हमारी विशेषज्ञ समीक्षा समिति के द्वारा त्रिस्तरीय स्तर पर समीक्षित होकर प्रकाशित हेतु स्वीकृत किया जाता है।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित : रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2456-0898

विशेष सूचना : शोध पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गये तथ्यों और इनसे सम्बन्धित किसी भी विवाद का पूर्ण दायित्व लेखक का होगा, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक एवं पत्रिका से सम्बन्धित अन्य किसी भी व्यक्ति का नहीं। प्रेषित स्पष्टीकरण अवश्य प्रकाशित किया जायेगा।

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'ग्लोबल थॉट'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

Registered Office : *H.No. 47, A-3 Block, Gali No. 5, Near Sankat Mochan Mandir, Dharampura Extn., Najafgarh, Delhi-110043*
Ph. 09555222747, 9267944100, 9555666907

Advisory Board

- **Prof. Arvind Kumar Pandey**
  (Former V.C., Kameshwar Singh Sanskrit University, Darbhanga)
- **Mahamahopadhyaya Prof. Ved Prakash Shastri**
  (Former P.V.C., Gurukul Kangarhi University, Haridwar)
- **Prof. Shankar Dayal Dwivedi**
  (Department of Sanskrit, Allahabad University)
- **Prof. Ram Sarekh Singh**
  (Former H.O.D., Philosophy, Magadh University, Bodhgaya)
- **Prof. Mahmood Manshur Alam**
  (Head, Urdu Department Magadh University, Bodhgaya)
- **Prof. Ram Bharat Singh**
  (Former H.O.D., Political Science, Magadh University, Bodhgaya)
- **Prof. Hirapaul Gangnegi**
  (Former H.O.D., Department of Buddhist Studies, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Sohanpal Sumankshar**
  (National President, Bhartiya Dalit Sahitya Academy)
- **Dr. Vikramaditya Roy**
  (Head, Sociology, D.A.V. P.G. College (BHU) Varanasi)
- **Prof. Satyadev Poddar**
  (History Department, Tripura Central University, Tripura)
- **Prof. Kashinath Jena**
  (Department of Political Science, Tripura Central University, Tripura)
- **Dr. Krishna Kumar Jha**
  (Senior Lecturer, Department of Hindi, Mahatma Gandhi Institute, Moka, Mauritius

Editor (Hindi)

Dr. Rupesh Kumar Chauhan
Assistant Professor, Sanskrit Department,
ZHDC (Even.), Delhi University
E-mail : rupesh.nirmal26@gmail.com
Mob. : 9555222747, 9540468787

Sub-Editor (Hindi)

Dr. Rajesh Kumar
Assistant Professor, Sanskrit Department
PGDAV College, Delhi University
E-mail : rajeshmm108@gmail.com
Mob. : 9555666907, 9891526584

Office Addresses :

Head Office (Delhi) :

Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex,
Azadpur, ***Delhi-****110033*
Mob : 9266319639

Branch Office (International) :

• **Dr. Usha Tiwari**
Bharatpur-4, Narayan Ghat, Chitwan, ***Nepal***

• **Mrs Kirthee Devi Ramjatton**
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

Graphic Designing
Kawal Malik
J.D. Computers *Mob. : 9818455819*

Editorial Board

- **Dr. Gajender Singh**
  (Associate Professor, African Studies Department, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Jay Prakash Narayan**
  (Associate Professor, Sanskrit Department, Jamiya Miliya Islamiya University, Delhi)
- **Dr. V.K. Tomar**
  (Associate Professor, Commerce Department, Agrasen College, University of Delhi)
- **Dr. Sharad Ranjan**
  (Associate Professor, Economics Department, Zakir Hussain Delhi College (Even.), University of Delhi)
- **Dr. Manoj Kumar Sinha**
  (Assistant Professor, Commerce Department, PGDAV College (Morning), Delhi)
- **Dr. Anil Kumar**
  (Assistant Professor, Economics Department, Shyamlal College (Even.), University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Anupam Jha**
  (Assistant Professor, Faculty of Law, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Pankaj Chaudhary**
  (Assistant Professor, Faculty of Law, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Krishna Kumar Jha**
  (Senior Lecturer, Hindi Department, Mahatma Gandhi Institute, Moka, Mauritius)
- **Dr. Govind Kumar Jha**
  (Assistant Professor, University Department of Mathematics, Vinoba Bhave University, Hazaribagh)
- **Dr. Uma Shankar**
  (Assistant Professor, Sanskrit (Jyotish) Department, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Manoj Sharma**
  (Assistant Professor, History Department, Kirorimal College, University of Delhi, Delhi)
- **Mrs. Kirthee Devi Ramjatton**
  (Lecturer, Department of Sanskrit, School of Indological Studies, Mahatma Gandhi Institute Moka, Mauritius)
- **Dr. Vandana Kumari Singh**
  (Assistant Professor, Department of Zoology, Hansraj College, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Sunil Kumar Singh**
  (Assistant Professor, Chemistry, Kirorimal College, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Sushil M. Tiwari**
  (Assistant Professor, Botany Department, Hansraj College, University of Delhi, Delhi)

अनुक्रमणिका

Editorial ---------- 8

भारत में नौकरशाही का विकास 9
कुमार प्रशांत

रघुवीर सहाय की कविता में अभिव्यक्त राजनीतिक चेतना 12
डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी

मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में नारी-चेतना 16
डॉ. सुनीता खुराना

The Impact of Music on the positivity and well being of mankind ----------19
Dr. Neeta Mathur

युद्ध की विभीषिका और अपरिहार्यता के मध्य कवि दिनकर 21
डॉ. अनिल राय

पुष्टिमार्गीय पद-गान में रस एवं भावाभिव्यक्ति 26
डॉ. नीता माथुर

Al-Shahrastani's Perception of Hindu Religious Systems ----------28
Dr. Manisha S. Agnihotri

अलंकार शास्त्र का ऐतिहासिक विकास 33
डॉ. शंकर नाथ तिवारी

भारतीय पारम्परिक कलाएँ और वर्तमान स्त्री-स्वावलम्बन 40
डॉ. अनिल राय

Redefining the identity of Untouchables through the vision of Dr. B.R. Ambedkar ----45
Ruchika Singh

नेताजी : एक स्वाधीन आत्मा 48
डॉ. मीना शर्मा

वाल्मीकि रामायण में छलित योग 51
डॉ. अनीता शर्मा

Impact of Globalisation on Women in India ----------56
Dr. Vandana Tripathi / Mrs. Geetanjali Kumar

नाज़ी जर्मनी और महिला प्रश्न : इतिहास पलटने का प्रयास 61
डॉ. मृदुला झा

दलित साहित्य का धार्मिक-दर्शन 65
डॉ. अश्वनी कुमार

Rural Road Connectivity in India: A bold policy initiative towards improving the quality of life ----------70
Dr. Pooja Paswan

Honour Killings : A Study in the Culture of Inhumanity ----------80
Dr. Pratibha

हिंदी भाषा और साहित्य के विकास में नागरी प्रचारिणी पत्रिका का योगदान (आरंभिक पाँच वर्षों के संदर्भ में) 86
डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी

नरेश मेहता की काव्यदृष्टि और दूसरा सप्तक ... 90
डॉ. चित्रा सिंह

Sustainable Development of India: Challenges and the way forward ----------98
Kumar Prashant

प्रेमचंद के साहित्य में औद्योगिकीकरण 102
डॉ. कविता राजन

Tribal Identity And Movements In Santhal Pargana Region ---------- 109
Kumari Khusboo

त्यागपत्र और उसके अज्ञेय कृत अनुवाद का तुलनात्मक अध्ययन 113
डॉ. विकेश कुमार मीना

संपादक, विचारक और समालोचक के रूप में प्रेमचंद 121
डॉ. रत्नेश कुमार सिंह

बाल-पत्रकारिता का ऐतिहासिक संदर्भ 131
डॉ. सरोज कुमारी

हिन्दी कहानियों में विकलांगजनों के जीवन की छवियाँ 135
डॉ. सुमित्रा महरोल

संस्कार व्यवस्था : व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण की विलक्षण योजना 140
डॉ. सरस्वती

कल्पना का रचनात्मक पक्ष 145
डॉ. अनिल कुमार सिंह
हिन्दी साहित्य में महिला लेखन की स्थापित छवि को तोड़ता शक्तिशाली उपन्यास-'महाभोज' 149
डॉ. रिम्मी खिल्लन
दलित साहित्य की पृष्ठभूमि और अंतर्विरोध 152
डॉ. पदमा राम परिहार
आधुनिक रचनाशीलता में लोक-चेतना (संदर्भ : अँधेर नगरी, गोदान और मैला आँचल) 157
डॉ. रामेश्वर राय
सुशीला टाकभौरे की साहित्यिक दृष्टि 162
डॉ. सुमित्रा महरोल
स्वयं प्रकाश की कहानियों में घर 166
रचना सिंह
छायावाद के सौ साल-एक दृष्टि 171
डॉ. संगीता राय
पद्मावत में व्यक्त स्त्री-धर्म और जेंडर की अवधारणा 176
रीनू गुप्ता
दलित विमर्श का संदर्भ और ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानियाँ 180
डॉ. सुनीता सक्सेना
महाभारत में चित्रित कर्ण का आदर्श व्यक्तित्व 184
डॉ. धनपति कश्यप
भारतेन्दुयुग : अंतर्जातीय संपर्क एवं सांस्कृतिक अस्मिता 189
डॉ. भास्कर लाल कर्ण
भूमंडलीकरण और सूचना क्रांति का समाज पर प्रभाव : विविध पक्ष और नयी चुनौतियाँ 196
डॉ. रिम्मी खिल्लन सिंह
भारतीय लोक-जीवन और अमीर खुसरो का काव्य 199
डॉ. संगीता राय
हिन्दी पत्रकारिता में बदलाव : बदलते समाज का आईना 205
डॉ. सीमा रानी
भारतीय राष्ट्रवाद का विकास 214
डॉ. कैलाश नारायण तिवारी
वैश्वीकरण : प्रकृति और विशेषताएँ 218
डॉ. अबिता कुमारी
संस्कृत व्याकरण तथा भाषा-दर्शन के क्षेत्र में मिथिला का योगदान 223
डॉ. रणजीत कुमार मिश्र
The Predicament of Women as Subaltern in Roots and Shadows ---------- 227
Dr. Seema Naz
सिंधु घाटी सभ्यता का नगर विन्यास 231
डॉ. एम.एम. रहमान
Challenges of Self-reliance in India --------- 234
Dr. Sumit Prasher
'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की नाट्यानुभूति 238
डॉ. नंदकिशोर
प्रमाणमञ्जरी में मोक्ष विचार 242
डॉ. दिलीप कुमार झा
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास में अभिव्यक्त राजनीतिक चेतना में बदलाव 246
डॉ. देव कुमार
अम्बेडकर और राष्ट्रवाद : समकालीन प्रासंगिकता 252
डॉ. सुषमा गुप्ता
'अपने-अपने पिंजरे' में चित्रित दलित संघर्ष 256
डॉ. चन्द्रशेखर राम
'गबन' में चित्रित मध्यवर्गीय स्त्री 259
डॉ. राम किशोर यादव / डॉ. चन्द्रशेखर राम
The Master of Hegelian Dialectics --------- 263
Dr. C. V. Babu
বাংলা সাহিত্য সমালোচনার নবদিগন্ত : বিষয়ে ও ভাবনায় 269
ড. অনির্বাণ সাহু
ब्राह्मण संस्कृति के अंतर्विरोध : 'सद्गति' कहानी .. 275
डॉ. लालजी
सल्तनत कालीन शासन व्यवस्था 280
डॉ. चन्दन कुमार सिंह
हिंदी के आधुनिक नाटककारों में मोहन राकेश का स्थान 284
डॉ. पुष्कर सिंह
कुटज : उत्कट जिजीविषा का अजस्र स्रोत 289
डॉ. सुशील कुमार राय
कफन : मानवीय त्रासदी का आईना 292
डॉ. सत्येन्द्र प्रताप सिंह
कविता के अलक्षित पाठक की तलाश 296
डॉ. नित्यानन्द श्रीवास्तव

सम्पादकीय

संपूर्ण मानवता को भारतीय अध्यात्म और वेदांत दर्शन का संदेश देने वाले अनंत ऊर्जा और ज्ञान के स्वामी विवेकानन्द जी के अद्‌भुत व्यक्तित्व से हम सभी परिचित हैं। **ग्लोबल थॉट मार्च 2018** अंक में विवेकानन्द जी का ही पुण्य स्मरण करना चाहता हूं। इसलिए कवर पेज पर उनकी दिव्य तस्वीर है और इस संपादकीय में दो तीन मुख्य बातों की तरफ आप सबका ध्यान आकृष्ट करना चाहता है। 12 जनवरी 1863 कोलकाता के दत्त परिवार उनका जन्म हुआ था। उनके जन्म दिवस 12 जनवरी को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है और यह मनाने की शुरुआत 1984 से प्रारंभ हुई थी पर विधिवत रूप से 1985 से यह दिवस मनाया जाता है। गौरतलब है कि 1985 को संयुक्त राष्ट्र संघ ने 'अंतरराष्ट्रीय युवा वर्ष' घोषित किया था। पूरे देश के विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानन्द के जीवन विचारों और दर्शन के बारे जानने को लेकर प्रोत्साहित किया जा सके इसलिए यह दिवस बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। हर वर्ष इसके लिए एक थीम भी निर्धारित किया जाता है उसी क्रम में 2018 की थीम है–'संकल्प से सिद्ध।

सोमवार 22 सितम्बर 1893 धर्म संसद के प्रथम अधिवेशन में उनका भाषण हआ। जिसमें उन्होंने अमेरिकियों को संबोधित करते हुए कहा–''बहनों और भाइयों! हिन्दू धर्म सभी धर्मों का जनक है। यह वह धर्म है जिसने संसार को सहिष्णुता और सार्वभौमिकता का पाठ पढ़ाया। अपनी बात को पुष्ट करने के लिए उन्होंने भगवत गीता के अध्याय चार के श्लोक 11 का उल्लेख किया। जिसमें भगवान श्री कृष्ण कहते हैं–हे अर्जुन! जो भक्त मुझे जिस प्रकार भजते हैं मैं भी उनको उसी प्रकार भजता हूँ क्योंकि सभी मनुष्य सब प्रकार से मेरे ही मार्ग का अनुसरण करते हैं।

ये यथा मां प्रपदयन्ते तांस्तथैव भजाम्यहम्। मम वानुवर्तन्ते मनुष्याः पार्थ सर्वशः॥''

उस ऐतिहासिक भाषण में स्वामी जी ने सिद्ध कर दिया कि धर्म में साम्प्रदायिक, संकीर्णता धर्मान्धता इत्यादि के लिए कोई जगह नहीं है। अमेरिका वाले स्वामी जी से बड़े प्रभावित हुए उन्हें हार्वर्ड विश्वविद्यालय में तथा कोलम्बिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर पद का कार्यभार देने का प्रस्ताव मिला, परन्तु उन्होंने यह कहकर उन पदों को अस्वीकार कर दिया कि वे संन्यासी हैं। स्वामी विवेकानंद अद्वैतवादी थे। उनके जीवन दर्शन पर उनके गुरु श्रीरामकृष्ण परमहंस, शंकराचार्य के अद्वैतवाद और स्टुअर्ट मिल की पुस्तक यत्सेज ऑन रेलीजन इत्यादि का व्यापक प्रभाव रहा। जिसकी चर्चा विस्तृत रूप से फिर कभी करेंगे। स्वामी जी ऐसा मानते थे कि समस्त मानव जाति का सभी धर्मों का चरम लक्ष्य एक ही है और वह है भगवान से पुनर्मिलन। एक लक्ष्य होते हए भी लोगों के विभिन्न स्वभावों के कारण भगवान से पुनर्मिलन के साधन अलग-अलग हो सकते हैं। लक्ष्य और उसकी प्राप्ति के साधनों इन दोनों को मिलाकर 'योग' कहा जाता है। स्वामी जी कर्मयोग, भक्तियोग, राजयोग और ज्ञानयोग पर विस्तृत रूप से बात करते हैं। जिसको आज के इस वैज्ञानिक युग में फिर से पढ़ने और आत्मसात करने की जरूरत है।

अंत में निवेदन है आपके सुन्दर शोधपत्र की हमेशा प्रतीक्षा रहती है। आप अपना प्रेम स्नेह बनाएं रखें।

– डॉ. रूपेश कुमार चौहान